In the name of Allah the Most Gracious the Ever Merciful

بسم اللہ الرحمن الرحیم

Press Desk
Ahmadiyya Muslim Jamaat
INTERNATIONAL
(INDIA)

شعبہ پریس اینڈ میڈیا بھارت
Office Press & Media
Ahmadiyya Muslim Jama'at India,
Qadian-143516, Distt.Gurdaspur, Punjab, India.
Mobile: +91-99887 57988
Email: pressamjindia@gmail.com
Tel: +91-1872-500282
ahmadiyya_press ahmadiyyapressindia

( A Registered Religious and Charitable Society in India under the Societies Registration Act XXI 1860 )

زیرحوالہ/Ref SPM-080
تاریخ/Date 27-05-2025

**"विश्व में वास्तविक शांति स्थापित करने के लिए यही एक आस्था और उसका पालन उपयोगी सिद्ध होगा कि दुनिया का एक खुदा (ईश्वर) है जो यह चाहता है कि सभी लोग शांति से रहें।"**

**हज़रत मिर्ज़ा मसरूर अहमद साहिब**

## जमात-ए-अहमदिया इस साल अपना 117वां ख़िलाफ़त दिवस मना रही है।

जमात-ए-अहमदिया को यह सौभाग्य प्राप्त है कि इस जमात में नेतृत्व की एक आध्यात्मिक प्रणाली ' ख़िलाफ़त ' मौजूद है और इस जमात का एक आध्यात्मिक ख़लीफ़ा है जो जमात के लोगों का क़दम-क़दम पे मार्गदर्शन करता है। जमात-ए-अहमदिया में आज से 117 वर्ष पहले ख़िलाफ़त की प्रणाली स्थापित हुई थी और अब यह जमात अपने पांचवें ख़लीफ़ा के नेतृत्व में दिन प्रति दिन उन्नति की ओर अग्रसर है।

जमात-ए-अहमदिया के संस्थापक हज़रत मिर्ज़ा ग़ुलाम अहमद साहिब क़ादियानी, मसीह-ए-मौऊद और मेहदी माहूद अलैहिस्सलाम, ने अपने प्रकट होने का उद्देश्य यह बताया है कि मनुष्य का सर्वशक्तिमान ईश्वर के साथ एक मज़बूत संबंध स्थापित हो और इन्सानों का आपस में एक दूसरे के साथ प्यार-मुहब्बत, हमदर्दी और भाईचारे का संबंध स्थापित हो। जमात के संस्थापक हज़रत मिर्ज़ा ग़ुलाम अहमद साहिब क़ादियानी अलैहिस्सलाम के देहांत के पश्चात्, 27 मई, 1908 ई को जमात अहमदिया के पहले ख़लीफ़ा का चयन हुआ था और जिस उद्देश्य के लिए अहमदिया मुस्लिम समुदाय के संस्थापक का प्रादुर्भाव हुआ था उन्हीं उद्देश्यों तथा मिशन को आगे विश्व भर में फैलाने के लिए खुदा तआला की ओर से ख़िलाफ़त की आध्यात्मिक प्रणाली स्थापित की गई है।

अल्लाह तआला ने पवित्र क़ुरान में जिस ख़िलाफ़त का वादा किया है उस ख़िलाफ़त को ही अमन शांति की ज़मानत ठहराया है। आज जब दुनिया बहुत तेज़ी से तीसरे विश्व युद्ध की ओर बढ़ रही है और दुनिया की शांति ख़तरे में है, इस मौके पर वैश्विक अहमदिया मुस्लिम जमात के प्रमुख (खलीफ़ा) हज़रत मिर्ज़ा मसरूर अहमद साहिब दुनिया को शांति तथा सुरक्षा की ओर बुला रहे हैं । आप फ़रमाते हैं:

"दुनिया में वास्तविक शांति स्थापित करने के लिए यही एक आस्था तथा उसका पालन उपयोगी सिद्ध होगा कि दुनिया का एक खुदा है जो यह चाहता है कि सभी लोग शांति से रहें। वास्तविक शांति तब तक स्थापित नहीं हो सकती जब तक कि एक सर्वोच्च शक्ति को स्वीकार न किया जाए, जब तक दिल में उसका प्यार पैदा न हो। और यह आस्था कि अल्लाह तआला अमन-शांति का देने वाला है, केवल इस्लाम ने ही हज़रत मोहम्मद

मुस्तफ़ा सल्लल्लाहो अलैहि वसल्लम के माध्यम से प्रस्तुत की है। शांति उस समय तक स्थापित हो ही नहीं सकती जब तक कि लोगों के बीच सच्चा भाईचारा पैदा न हो, और सच्चा भाईचारा एक खुदा (ईश्वर) को माने बिना पैदा नहीं हो सकता।

(भाषण - जलसा सालाना जर्मनी 2022 ई)

इसी प्रकार एक अन्य अवसर पर अहमदिया मुस्लिम जमात के प्रमुख हज़रत मिर्ज़ा मसरूर अहमद साहिब ने यॉर्क यूनिवर्सिटी, ओंटारियो, कनाडा में भाषण देते हुए फ़रमाया कि:

"अगर हम वास्तव में शांति स्थापित करना चाहते हैं, तो हमें न्याय से काम लेना होगा। हमें न्याय और समानता को महत्व देना होगा। हज़रत मोहम्मद मुस्तफ़ा सल्लल्लाहो अलैहि वसल्लम ने क्या ही ख़ूब फ़रमाया है कि: दूसरों के लिए वही पसंद करो जो आप अपने लिए पसंद करते हो। अतः हमें न केवल अपने हित के लिए, बल्कि विश्व हित के लिए व्यापक दृष्टिकोण अपनाकर कार्य करना होगा। यही इस युग में वास्तविक शांति स्थापित करने के साधन हैं।" (दिनांक 28 अक्टूबर, 2016 यॉर्क यूनिवर्सिटी, ओंटारियो, कनाडा)

ख़िलाफ़त दिवस के इस शुभ अवसर पर सभी अहमदी मुसलमान विश्व में शांति की स्थापना के लिए भी दुआ करते हैं। अल्लाह तआला इस दुनिया को अमन-शांति का घर बना दे। आमीन

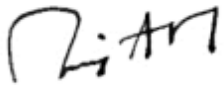

**Tariq Ahmad K**
Incharge Press & Media,
Ahmadiyya Muslim Jama'at India.